

26/03/18

आदि. अतीवन्द्य/देवकी उपस्थित
पूर्व कार्यालय में पताका नं. 10/10/18 का पेश हो।
दिनांक 10/04/18 को पेश हो।

नं. 10/10/18
4T
SDA
10/04/18
5517
10/04/18

10.04.18

पडावली प्रकृत दुर्गा नदि. उन्नयन उपस्थित।
द्वितीय वी कोर से धीरे धीरे पानी का
वहावतनामा प्रकृत किया गया पडावली वास्ते
बंद दिनांक 13.04.18 को पेश हो।

13.04.18

पडावली प्रकृत दुर्गा नदि. उन्नयन उपस्थित।
उन्नयन को बंद सुनी गयी पडावली वास्ते
कोर दिनांक 17.04.18 को पेश हो।

14/04/18

17/4/18

पडावली वास्ते कोर प्रकृत दुर्गा उन्नयन
ने कोरने बंद कर सहजि लाई करे दुर्गे
दोने पशो को विवाहगत भूमि के मास्व
रिनाई व मांके की प्रथाएति बनाये
करने के कोरेश फरमाये जाने की इस्तदुका
की। चूंकी उन्नयन ने विवाहगत भूमि
की प्रथाएति के कोरेश पारित किये जाने
हेतु सहजि लयकर की है। कतः उन्नयन
का गुणावगुण पर कोर बिबेचन किये बगैर
हीमापशकारो की सहजि के माधार पर
अधिनस्थ न्यायालय द्वारा पारित कोरेश
जैर कपील दिनांक 03/5/2017 में संकोषण
करे दुर्गे वाद के निर्णय तक उन्नयन
को विवाहगत भूमि की मांके व मास्व
रिनाई की प्रथाएति बनाये करे जाने
के कोरेश उदान किये जाते है। तनुसार
कपील निरुत्तरित की जाती है।



पडावली केसल शुमार होकर
वाद कपील निरुत्तरित कर हो। कोरेश सुनाया
गया।
अपील प्राधिकारित
जयपुर